आत्म – वृत्त

नाम : प्रो. योगेन्द्र कुमार

पिता का नाम : श्री किरण सिंह

जन्म तिथि : 07.09.1972

पता : प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष,
संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग,
हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
धर्मशाला, जिला कांगड़ा
हिमाचल प्रदेश – 176215
दूरभाष : 9982603535

➢ **अनुभव :–**

क्र. सं.	पद	संस्थान का नाम	वेतनमान	स्तर	अवधि	कुल
1	सहायक आचार्य सह आचार्य आचार्य	महाविद्यालय शिक्षा सेवा, राजस्थान सरकार, जयपुर	(लेवल 10) (लेवल 11) (लेवल 12) (लेवल 13ए) (लेवल 14)	स्नातक एवं स्नातकोत्तर	1996 से 2023	26 वर्ष 9 माह
2	आचार्य	**प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश**	(लेवल 14)	स्नातक एवं स्नातकोत्तर	2023 से लगातार	–

कुल अनुभव – 27 वर्ष

➢ **शैक्षणिक योग्यता –**

- स्नातकोत्तर (MA) महर्षिदयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा। प्रथम श्रेणी
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की नेट (**जे.आर.एफ.**) परीक्षा जून 1994।
- शोध–कार्य (PhD) महर्षिदयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा।

➢ **विषय विशेषज्ञता –**

- संस्कृत व्याकरण।
- प्राचीन अष्टाध्यायी पद्धति द्वारा संस्कृत व्याकरण का अध्ययन।

➢ **शोधनिर्देशन :–**

1. स्नातकोत्तर स्तर (सम्पन्न – 05, कार्यरत – 01)
2. एम. फिल्. उपाधि (सम्पन्न – 01)
3. पीएच्.डी. उपाधि (सम्पन्न – 02, कार्यरत – 02)

➢ <u>लेखन</u> :–

- <u>शोध–पत्र</u> :–

1. **वैदिक वाङ्मय में वास्तु – कला।**
पावमानी (जनवरी–मार्च 1996) त्रैमासिक शोध पत्रिका,
स्वामी समर्पणानन्द वैदिक शोध संस्थान, गुरुकुल प्रभात आश्रम, मेरठ में प्रकाशित।

2. **स्वामी दयानन्द सरस्वती द्वारा पुनरुज्जीवित – त्रैतवाद : एक समीक्षात्मक अध्ययन।**
आर्ष ज्योतिः (अक्टूबर 2015) वर्ष 7 अंक 92 पृ. 28–32,
ISSN No. – 2278-0912 अन्ताराष्ट्रीय मूल्यांकित सन्दर्भित प्रवरसमीक्षित शोधपत्रिका प्रकाशक – श्रीमद्दयानन्दार्ष ज्योतिर्मठ गुरूकुल, पौन्धा, देहरादून (उत्तराखण्ड) ।

3. **भारतीय आचार दर्शन।**
शब्दार्णव, (जुलाई–दिसम्बर 2017) वर्ष 3 अंक 6, भाग 4, पृ. 89–90,
ISSN No. – 2395-5104, International Refereed Journal of Multidisciplinary Reasearch, प्रकाशक – समन्वय फाउण्डेशन, मुजफ्फरपुर, बिहार।

4. **राधावल्लभ सम्प्रदाय और श्रीकृष्ण का स्वरूप।**
शब्दार्णव, (जुलाई–दिसम्बर 2017) वर्ष 3 अंक 6, भाग 4, पृ. 16–19,
ISSN No. – 2395-5104, International Refereed Journal of Multidisciplinary Reasearch, प्रकाशक – समन्वय फाउण्डेशन, मुजफ्फरपुर, बिहार।

5. **संस्कृत भाषा एवं मेवाती बोली का ध्वन्यात्मक अध्ययन।**
वेदांजली, (जनवरी – जून 2018) वर्ष 5 अंक 9, भाग 2, पृ. 128–131,
ISSN No. – 2349-364X अन्तर्राष्ट्रीय सन्दर्भित षाण्मासिकी शोधपत्रिका प्रकाशक – वैदिक एजूकेशनल रिसर्च सोसाइटी, वाराणसी।

6. **मेवाती बोली की उत्पत्ति व विकास संस्कृत भाषा के परिपेक्ष्य में।**
शब्दार्णव, (जनवरी–जून 2018) वर्ष 4 अंक 7, भाग 2, पृ. 92–94,
ISSN No. – 2395-5104, International Refereed Journal of Multidisciplinary Reasearch, प्रकाशक – समन्वय फाउण्डेशन, मुजफ्फरपुर, बिहार।

7. **आचार्य शंकर एवं स्वामी दयानन्द अभिमत ब्रह्म का विवेचन।**
प्रमाण (जनवरी–मार्च 2019) वर्ष 8 अंक 31, भाग 5, पृ. 227–232,
ISSN No. – 2249-2976, Peer-Reviewed Reasearch Journal,
प्रकाशक – आचार्य एकेडमी, रोहतक, हरयाणा।

8. **पाणिनीय धातुपाठ एवं धात्वर्थों की पाणिनीयता।**
Reasearch Discourse, (अक्टूबर–दिसम्बर 2019) अंक 9, भाग 4, पृ. 85–87,
ISSN No. – 2277-2014, An International Peer-Reviewed Refereed Reasearch Journal,
प्रकाशक – South Asia Reasearch & Development Institute, B. 28/70, Manas Mandir, Durgakund, Varanasi UP.

9. **पाणिनीय धातुपाठ में धातुओं की समानार्थकता।**
दृष्टिकोण (नवम्बर–दिसम्बर 2019) वर्ष 11 अंक 6, पृ. 1728–1731,
ISSN No. – 0975-119X, UGC Care Group I Listed Peer-Reviewed Reasearch Journal, प्रकाशक – दृष्टिकोण प्रकाशन, WZ-724, पालम गांव, नई दिल्ली।

10. **पाणिनीय एवं कातन्त्रीय कारक प्रकरण का तुलनात्मक अध्ययन।**
दृष्टिकोण (जनवरी–फरवरी 2020) वर्ष 12 अंक 1, पृ. 1432–1437,
ISSN No. – 0975-119X, UGC Care Group I Listed Peer-Reviewed Reasearch Journal, प्रकाशक – दृष्टिकोण प्रकाशन, WZ-724, पालम गांव, नई दिल्ली।

11. **वैयाकरण सम्प्रदाय में धातु एवं क्रिया का स्वरूप।**
दृष्टिकोण (मार्च–अप्रैल 2020) वर्ष 12 अंक 2, पृ. 2254–2257,
ISSN No. – 0975-119X, UGC Care Group I Listed Peer-Reviewed Reasearch Journal, प्रकाशक – दृष्टिकोण प्रकाशन, 448, पॉकेट – 5, मयूर विहार, फेज 1, दिल्ली।

12. **धात्वर्थ : एक विवेचन।**
दृष्टिकोण (मई–जून 2020) वर्ष 12 अंक 3, पृ. 2045–2049,
ISSN No. – 0975-119X, UGC Care Group I Listed Peer-Reviewed Reasearch Journal, प्रकाशक – दृष्टिकोण प्रकाशन, 448, पॉकेट– 5, मयूर विहार, फेज 1, दिल्ली।

13. **व्याकरण शास्त्र की विकास परम्परा एवं धातुपाठ।**
दृष्टिकोण (सितम्बर–अक्टूबर 2020) वर्ष 12 अंक 5, पृ. 2255–2259,
ISSN No. – 0975-119X, UGC Care Group I Listed Peer-Reviewed Reasearch Journal, प्रकाशक – दृष्टिकोण प्रकाशन, WZ-724, पालम गांव, नई दिल्ली।

14. **पाणिनीय धातुपाठ का रचना वैशिष्ट्य।**
शोध मीमांसा, (जनवरी–मार्च 2021) वर्ष 8 अंक 29, भाग 3, पृ. 32–35,
ISSN No. – 2348-4624, An International Peer-Reviewed Refereed Reasearch Journal, प्रकाशक – कुसुम जनकल्याण समिति, देवरीया, उ0प्र0।

15. **वैदिक साहित्य में मानव मूल्य।**
पावमानी, (जुलाई–सितम्बर 2021) भाग 36, खण्ड 3, पृ. 96–107,
ISSN No. – 2229-6328, त्रैमासिकी मूल्यांकिता (Peer Reviewed) वैदिक शोधपत्रिका। प्रकाशक – स्वामी समर्पणानन्द वैदिक शोध संस्थान, गुरुकुल प्रभात आश्रम, टीकरी, भोला, मेरठ, उ0प्र0।

16. **ऋग्वेद में वायु ऊर्जा।**
पावमानी, (अक्टूबर–दिसम्बर 2021) भाग 36, खण्ड 4 पृ. 63–72,
ISSN No. – 2229-6328, त्रैमासिकी मूल्यांकिता (Peer Reviewed) वैदिक शोधपत्रिका। प्रकाशक – स्वामी समर्पणानन्द वैदिक शोध संस्थान, गुरुकुल प्रभात आश्रम, टीकरी, भोला, मेरठ, उ0प्र0।

17. **अद्वैत एवं त्रैतवाद का तुलनात्मक अध्ययन।**
उन्मेष (नवम्बर 2021–अप्रैल 2022) VIII (I) Pg. 79 – 82,
ISSN No. - 2394-2207, अंतर्राष्ट्रीय अर्धवार्षिक सहकर्मी समीक्षित रेफरीड रिसर्च जर्नल (कला और मानविकी), प्रकाशक – जन सेवा एवं शोध शिक्षा संस्थान, प्रतापगढ़, उ0प्र0 – 230001

- <u>पुस्तक लेखन</u> –

1. **पाणिनीय गत्यर्थक धातुएँ।**
वर्ष 2017, ISBN No -978–81–7110–713–1
परिमल पब्लिकेशन्स, 27/28, शक्ति नगर, दिल्ली 110007

2. **त्रैतवाद – एक समीक्षात्मक अध्ययन।**
वर्ष 2018, ISBN No. – 978–81–7110–717–9
परिमल पब्लिकेशन्स, 27/28, शक्ति नगर, दिल्ली 110007

3. **पाणिनीय धातुओं में समानार्थकता।**
वर्ष 2018, ISBN No - 978–81–7110–716–2
परिमल पब्लिकेशन्स, 27/28, शक्ति नगर, दिल्ली 110007

- <u>पुस्तक संपादन</u> :–

1. **अलवर–मेवात का इतिहास एवं गाड़िया लुहार समाज : एक अध्ययन**
वर्ष 2017, ISBN No - 978–93–82190–43–1
आदित्य पब्लिशिंग हाउस, चौड़ा रास्ता, जयपुर ।

2. **संस्कृतसोपानम् (प्रथमो भागः)** –
वर्ष 2006, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर।

3. **स्पन्दनम्** –
वर्ष 2017, ISBN No - 978–93–87089–38–9
माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर।

- <u>संपादित पुस्तक में अध्याय</u> :–

1. **मेवाती का संस्कृत से व्याकरणिक सम्बन्ध।**
लेखक, वर्ष 2017, ISBN No - 978–93–82190–43–1
अलवर–मेवात का इतिहास एवं गाड़िया लुहार समाज : एक अध्ययन आदित्य पब्लिशिंग हाउस, चौड़ा रास्ता, जयपुर ।

2. **मेवाती भाषा और साहित्य।**
सह लेखक, वर्ष 2017, ISBN No - 978–93–82190–43–1
अलवर–मेवात का इतिहास एवं गाड़िया लुहार समाज : एक अध्ययन आदित्य पब्लिशिंग हाउस, चौड़ा रास्ता, जयपुर ।

3. **संस्कृत भाषा के परिपेक्ष्य में मेवाती बोली।**
सह लेखक, वर्ष 2018, ISBN No - 978–93–82874–26–3
पूर्वी राजस्थान का इतिहास और संस्कृति, गौरंग प्रकाशन, जयपुर।

4. **जृम्भस्व सिंह दन्तांस्ते गणयिष्ये –**
संपादन, वर्ष 2017, ISBN No - 978–93–87089–38–9
स्पन्दनम् – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर।

5. **स्वदेशं कथं रक्षेयम् –**
संपादन, वर्ष 2017, ISBN No - 978–93–87089–38–9
स्पन्दनम् – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर।

6. **आचार्योपदेशः –**
संपादन, वर्ष 2017, ISBN No - 978–93–87089–38–9
स्पन्दनम् – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर।

- <u>लघुशोध परियोजना सम्पन्न</u> :–

1. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्तपोषित वर्ष 2004 एवं 2009 में लघुशोध परियोजना सम्पन्न।

- <u>शोध संगोष्ठी में पत्रवाचन</u> :–

1. **पाणिनीय धातुपाठस्थ समानार्थक धातुएं – एक विवेचन।**
अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन, रोहतक में प्रस्तुत किया।

2. **ऋग्वेद में वायु ऊर्जा।**
अखिल भारतीय वैदिक शोध संगोष्ठी – स्वामी समर्पणानंद वैदिक शोध संस्थान, मेरठ, यूपी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी। 13.01.2009

3. **वैदिक साहित्य में मानव मूल्य।**
अखिल भारतीय संस्कृत संगोष्ठी – विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं रामेश्वरीदेवी राजकीय कन्या महाविद्यालय, भरतपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी। 15.02.2009

4. **यजुर्वेद में वर्णित राजनीतिक सिद्धांत।**
19वां राजस्थान राजनीति विज्ञान सम्मेलन – बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय, अलवर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी। 02.03.2009

5. **ऋग्वेद में वर्णित ऊर्जा के विविधस्रोत।**
विश्व–वेद–सम्मेलनम् – गुरुकुल कांगडी विश्वविद्यालय, हरिद्वार द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी। 21.11.2009

6. **संस्कृत वांग्मय में वर्णित विविध विज्ञान।**
प्रांत विद्वत सम्मेलन एवं संगोष्ठी, भारतीय इतिहास संकल्प समिति, जयपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी। 20.09.2014

7. **प्राचीन संस्कृत में संचार तंत्र।**
मीडिया – अतीत, वर्तमान एवं भविष्य – विश्वविद्यालय अनुदान आयोग व भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद तथा बाबू शोभा राम राजकीय कला महाविद्यालय, अलवर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी। 05.12.2014

8. **कक्षा कक्षों का बदलता परिदृश्य।**
उच्च शिक्षा में अनुशासन का महत्व – शैक्षिक मंथन संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी। 14.10.2016

9. **मेवों और मेवात का भागोलिक विस्तार।**
गाड़िया लुहारों और मेवों का ऐतिहासिक अध्ययन – भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली तथा गौरी देवी राजकीय महिला महाविद्यालय, अलवर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी। 20.12.2017

10. **उच्च शिक्षा में नैतिकता।**
उच्च शिक्षा में नैतिकता एवं कार्य संस्कृति – शैक्षिक मंथन संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी। 08.07.2018

11. **शतपथ ब्राह्मण में वर्णित शिल्प विद्या।**
शतपथ ब्राह्मण में वर्णित विविध विज्ञान – उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ एवं स्वामी समर्पणानंद वैदिक शोध संस्थान, मेरठ, यूपी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी। 22.08.2018

12. उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान एवं स्वामी समर्पणानन्द वैदिक शोध संस्थान द्वारा आयोजित द्विदिवसीय अन्तर्जालीय अन्ताराष्ट्रीय शोधसंगोष्ठी – **सामवेदीयब्राह्मणेषु विविधज्ञानविज्ञानम्** में सहभागिता 30–31.07.2020

13. National Webinar on CHALLENGES OF LIFE DURING COVID – 19 Organized By SRP GOVT. PG COLLEGE, BANDIKUI, Distt. Dausa, Rajasthan on January 06, 2021

14. हिमाचल प्रदेश केन्द्रिय विश्वविद्यालय के संस्कृत–पालि–प्राकृत विभाग तथा नई दिल्ली स्थित भारत प्रज्ञा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्वावधान में **भारतीय–खगोल–शास्त्रस्य तथा पंचांगस्य प्रामाणिकता** विषयक एकदिवसीय अन्तर्जालीय संगोष्ठी में सहभागिता 30.04.2022

15. महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के संस्कृत–पालि–प्राकृत विभाग तथा नई दिल्ली स्थित भारत प्रज्ञा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्वावधान में **विश्व संस्कृति के निर्माण में भारतीय नाट्य परंपरा का योगदान** विषयक एकदिवसीय अन्तर्जालीय संगोष्ठी में सहभागिता 20.05.2022

16. उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान एवं स्वामी समर्पणानन्द वैदिक शोध संस्थान द्वारा आयोजित द्विदिवसीय अन्ताराष्ट्रीय वैदिक शोधसंगोष्ठी – **वेदानां वैज्ञानिकसिद्धान्ताः** में सहभागिता 07–08.08.2022

➢ <u>अन्य गतिविधियां</u> :–

1. सदस्य – योग अध्ययन केन्द्र पाठ्य समिति (BoS) हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश ।
2. पूर्व सदस्य – कला संकाय परिषद्, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।
3. पूर्व सदस्य – अध्ययन मंडल/पाठ्य समिति (BoS) राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।
4. पूर्व सदस्य – परीक्षक एवं प्रश्न पत्र निर्माता निर्धारण समिति, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।
5. पूर्व सदस्य – संस्कृत परीक्षा एवं पाठ्यक्रम समिति, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर।
6. पूर्व सदस्य – कला संकाय परिषद्, राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर।
7. पूर्व सदस्य – अध्ययन मंडल/पाठ्य समिति (BoS) राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर।
8. पूर्व सदस्य – पाठ्यपुस्तक लेखन समिति, कक्षा–10, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर।
9. एन सी सी अधिकारी।
10. अनेक वर्षों तक युवा विकास केन्द्र संयोजक।